

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	00
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. व्यर्थ से सदा मुक्त समर्थस्थिति में रहे?																															
3. कम से कम 5 बार अशरीरीपन का अभ्यास किया?																															
4. कर्म करते हुए स्वभाव सरल रहा?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

**शिवभगवानुवाच :-** अशरीरीपन का अनुभव करते चलो। मन्सा सेवा बढ़ाते चलो। समय आगे बहुत नाजुक आने वाला है, ऐसे टाइम पर अगर अभ्यास नहीं होगा तो सक्सेस नहीं हो सकेंगे। इसलिए बीच-बीच में 2 मिनट, 1 मिनट, पांच मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास अपने दिनचर्या प्रमाण अवश्य करते चलो। ऐसा समय आयेगा तो यह प्रैक्टिस बहुत-बहुत आवश्यक लगेगी। ..... अव्यक्त मुरलियों से ट्रॉफिक कंट्रोल पर :- मुझ परम पवित्र आत्मा से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं.... ।

**अप्रैल 2022 के स्वमान-अभ्यास**

1. मैं शक्तिशाली स्वराज्य अधिकारी आत्मा हूँ।
2. मैं आत्मा पुरानी दुनिया में मेहमान हूँ।
3. मैं आत्मा देह से बिल्कुल न्यारी हूँ।
4. मैं आत्मा बेहद की वैरागी हूँ।
5. मैं सर्व आकर्षणों से मुक्त आत्मा हूँ।
6. मैं कल्प-कल्प की विजयी रतन हूँ।
7. मैं विघनविनाशक आत्मा हूँ।
8. मैं मास्टर दुःखहर्ता सुखकर्ता हूँ।
9. मैं विश्वकल्याणकारी आत्मा हूँ।
10. मैं आत्मा लाइट हाउस माइट हाउस हूँ।

11. मैं आत्मा मास्टर बीजरूप हूँ।
12. मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ।
13. मैं आत्मा मास्टर ज्ञान सूर्य हूँ।
14. मैं नष्टोमोहा स्मृतिस्वरूप आत्मा हूँ।
15. मैं परमधाम निवासी सर्वश्रेष्ठ आत्मा हूँ।
16. मैं आत्मा महाज्योति शिव बाबा के साथ कम्बाइंड हूँ।
17. मैं आत्मा सर्वशक्तियों की लाईट से फुलचार्ज हूँ।
18. मैं आत्मा मन-बुद्धि-संस्कार की मालिक हूँ।
19. मैं सदा सन्तुष्ट रहने वाली सन्तुष्टमणि हूँ।
20. मैं सर्व शक्तियों से संपन्न विशेष आत्मा हूँ।
21. मैं संपूर्ण निर्विकारी आत्मा हूँ।

22. मैं देव कुल की महान आत्मा हूँ।
23. मैं सर्व आत्माओं को शान्ति से भरपूर करने वाली हूँ।
24. मैं वायुमण्डल को पावरफुल बनाने वाली आत्मा हूँ।
25. मैं पूर्वज व पूज्य आत्मा हूँ।
26. मैं आधारमूर्त, उद्धारमूर्त आत्मा हूँ।
27. मैं निरंतर सकाशदाता अव्यक्त फरिश्ता हूँ।
28. मैं परम पवित्र फरिश्ता हूँ।
29. मैं विश्व परिक्रमाधारी फरिश्ता हूँ।
30. मैं बाप समान साक्षीद्रष्टा आत्मा हूँ।

ओम् शान्ति